

प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली, दिनांक: 11 सितंबर 2021

एनएचएसआरसीएल ने सूरत में एशिया की सबसे बड़ी जियोटेक्निकल इन्वेस्टिगेशन लैब में इंजीनियरिंग छात्रों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए

राष्ट्रीय कौशल विकास कार्यक्रम के अनुरूप, एनएचएसआरसीएल, भू तकनीकी जांच प्रयोगशाला में सिविल इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है, जिसे मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना के लिए सूरत में मैसर्स एलएंडटी द्वारा स्थापित किया गया है। (मैसर्स एलएंडटी वापी और अहमदाबाद के बीच सिविल कार्यों का निष्पादन कर रहा है)।

प्रयोगशाला को एशिया की सबसे बड़ी भू-तकनीकी प्रयोगशाला माना गया है और इसने इंजीनियरों, तकनीशियनों और कुशल मजदूरों सहित लगभग 900 (क्षेत्र में 500 और प्रयोगशालाओं में 400) व्यक्तियों के लिए रोजगार पैदा किया है। यह प्रयोगशाला अत्याधुनिक जांच उपकरणों से लैस है। प्रयोगशाला 20 भू-तकनीकी इंजीनियरों और 188 प्रयोगशाला तकनीशियनों के माध्यम से प्रतिदिन 3500 परीक्षण कर सकती है।

प्रशिक्षण के दौरान, छात्रों को विभिन्न भू-तकनीकी जांच के लिए उपयोग किए जा रहे उपकरणों से परिचित कराया जाता है। व्याख्यान के अलावा, प्रयोगशाला परीक्षण के माध्यम से मिट्टी की विशेषताओं को निर्धारित करने के लिए प्लेट लोड टेस्ट, पाइल लोड टेस्ट जैसे फील्ड टेस्ट भी प्रदर्शित किए जाते हैं। सरदार वल्लभ भाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एसवीएनआईटी) सूरत के 35 छात्रों के पहले बैच ने इस प्रयोगशाला में प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया है।

एनएचएसआर परियोजना ने अपने पुराने उपकरणों के उन्नयन में स्थानीय जियोटेक जांच सेटअप को भी बढ़ावा दिया है। वलसाड, सूरत, वडोदरा, आनंद और अहमदाबाद में लगभग 15 प्रयोगशालाओं ने परियोजना के लिए आवश्यक अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन करने के लिए अपने बुनियादी ढांचे को उन्नत किया है। परियोजना स्थलों पर पूरी तरह से स्वचालित और अर्ध-स्वचालित भू-परीक्षण मशीनों को तैनात किया गया है।

अनुलग्नक:

1. प्रयोगशाला की फोटो
2. प्रयोगशाला का एक लघु वीडियो